Literacy for a Billion

Movie: Manzil 1979
Year: 1979

Song: Rimzim Gire Saawan
Lyricist: Yogesh

रिमझिम गिरे सावन
सुलग सुलग जाए मन
भीगे आज इस मौसम में
लगी कैसी ये अगन

रिमझिम गिरे सावन
सुलग सुलग जाए मन
भीगे आज इस मौसम में
लगी कैसी ये अगन

रिमझिम गिरे सावन

जब घुँघरुओं सी
बजती हैं बूँदें
अरमाँ हमारे
पलकें न मूँदें

जब घुँघरुओं सी
बजती हैं बूँदें
अरमाँ हमारे
पलकें न मूँदें

कैसे देखें सपने नयन
सुलग सुलग जाए मन
भीगे आज इस मौसम में
लगी कैसी ये अगन

महफ़िल में कैसे
कह दें किसी से
दिल बँध रहा है
इस अजनबी से
महफ़िल में कैसे
कह दें किसी से
दिल बँध रहा है
इस अजनबी से

हाय करें अब क्या जतन
सुलग सुलग जाए मन
भीगे आज इस मौसम में
लगी कैसी ये अगन

रिमझिम गिरे सावन
सुलग सुलग जाए मन
भीगे आज इस मौसम में
लगी कैसी ये अगन

रिमझिम गिरे सावन

Disclaimer: PlanetRead does not own these lyrics and is not using them for any commercial purpose. For over 20 years, PlanetRead has been subtitling Bollywood songs for mass literacy. These lyrics are being offered as part of PlanetRead's literacy development initiative.

PlanetRead is a tax-exempt, not-for-profit: 501(c) (3) in the United States and 80(G) in India.